Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue related to the safety of working women in paramilitry forces and defence forces.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): सर, पिछले दिनों चाहे संसद की बात हो या संसद के बाहर की बात हो, खास तौर पर रेप विक्टिम्स की बहुत तकलीफदेह बातें गूंज उठी हैं । मैं ऐसी ही एक बात, खास तौर से पैरामिलिटरी फोर्सेज और डिफेंस फोर्सेज की बात करना चाहता हूं । एक डिप्टी कमांडेंट लेवल की ऑफिसर, जो आईटीबीपी फोर्स में लॉ ऑफिसर हैं, जिनका नाम ...* है और एक डॉक्टर जो असिस्टेंट कमांडेंट पोस्ट में थीं । हमारे एक बहुत ही बड़े पत्रकार दलजीत सिंह ने यह बात उठाई । उनकी पोस्टिंग हमारी एक टैक्टिकल पोस्ट मलारी, उत्तराखण्ड में हुई । वे वहां ज्वाइन करने गए तो रात में जब ये दोनों डिप्टी कमांडेंट और असिस्टेंट कमांडेंट अपने रूम में सो रही थीं, बाहर से एक कांस्टेबल ने उनका रेप करने की कोशिश में दरवाजे को तोड़ा । एक दरवाजे पर कोई चिटकनी-बोल्ट ही नहीं था । उन्होंने अंदर घुसने की कोशिश की । जब दोनों ने चिल्लाया, चीखा तो बाहर और ऑफिसर्स इकट्ठे हो गए । जब उन्होंने इंफॉर्म करने की कोशिश की कि हायर ऑथोरिटी को बताएं तो टेलीफोन खराब था । जब वॉयरलैस पर मैसेज करने को कहा तो वॉयरलैस नहीं था । मोबाइल तो चल ही नहीं रहा था । साथ में ही एक आर्मी की रेजीमेंट, जो सिग्नल्स फोर्स है, उसके पास उन्होंने जब अपने कमांडेंट को टेलीफोन किया तो कमांडेंट बात करने की स्थिति में नहीं थे । सर, कमांडेंट एक फादर फिगर होता है । लेकिन He said that, मैं सुबह आऊंगा, सुबह बात करूंगा । जब दो ऑफिसर्स लड़कियां जंगल में, जो एक बॉर्डर पर पोस्ट है, उन दोनों लड़कियों ने सारी रात अपनी बलेरो गाड़ी में लॉक करके गुजारी । अगले दिन जोशी मठ जाकर उन्होंने कम्प्लेंट की और जब दूसरे दिन कमांडेंट आया तो उसने उस कमरे की चिटकनी लगवा दी और बाकी सारे प्रबन्ध ठीक कर दिए क्योंकि न तो कोई संतरी पोस्ट थी, न कोई वहां लाइट दी । बाद में संतरी पोस्ट भी बना दी, लाइट

भी लगा दी । उसके खिलाफ सारी जो भी बातें थीं, उनको खत्म कर दिया । आज इस लड़की ...* के ऊपर इस बात का इतना असर हुआ कि वह नौकरी छोड़कर आ गई । मेरी होम मिनिस्ट्री से गुजारिश है कि जब ऑफिसर्स के साथ फोर्सेज में ऐसा हो रहा है तो बाकी लोअर रैंक के लोगों के साथ क्या होता होगा जब एक ऑफिसर अपनी इज्जत नहीं बचा पा रही है । मेरा सरकार से निवेदन है कि उनकी खास तौर पर इज्जत बहाल हो, उनको हिम्मत मिले, क्योंकि रोज पैरा-मिलिट्री फोर्सेज में हमारी लड़कियां जा रही हैं । We have to take care of it. अगर संसद से यहां पर, मैं यहां पर यह टेबल कर रहा हूं, आपकी तरफ से इंक्वायरी हो, यह मार्क की जाए और उनको न्याय मिले ।...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Ravneet Singh.